C M Y K

www.vidarbhakibaat.in

Post Reg. No. RNP/NPCITY /169 /2015-2017

प्रखर... मुखर... स्वर

विदर्भ की बात

• वर्ष 17 • अंक 214 नागपुर, शुक्रवार, 30 जून 2017 • पृष्ठ 8 • मूल्य ₹ 2

सुप्रभात

अमिताभ, आमिर और प्रियंका को ऑस्कर से जुड़ने का न्योता

लॉस एंजिलिस

बॉलीवुड कलाकार अमिताभ बच्चन, आमिर खान, प्रियंका चोपड़ा, ऐश्वर्या राय बच्चन, फिल्मकार गौतम घोष और बुद्धदेब दासगुप्ता को ऑस्कर अकादमी से न्योता मिला है। इनका नाम उन 774 लोगों की सूची में शुमार है, जिन्हें अकादमी का हिस्सा बनने और ऑस्कर के लिए वोट देने को आमंत्रित किया गया है।

अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंस की वेबसाइट के अनुसार 2017 में 57 देशों से लोग आमंत्रित हैं। इनमें 39 फीसद महिलाएं और 30 फीसद अश्वेत लोग हैं। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान, इरफान खान, दीपिका पादुकोण, मानसून वेडिंग के परिधान डिजाइनर अर्जुन भसीन, लेखक सूनी तारापोरवाला और डॉक्यूमेंट्री निर्माता आनंद पटवर्धन भारत से आमंत्रित किए गए अन्य लोगों में शामिल हैं।

सूची में शाहरुख खान का नाम नहीं है। अकादमी की अध्यक्ष शेरिल बूने इसाक्स ने कहा, हम अकादमी के नए वर्ग को आमंत्रित कर गौरवान्वित हैं। यह सुनिश्चत करना हम पर निर्भर करता है कि नए चेहरों और आवाजों को सुना एवं देखा जाए। नई पीढ़ी को उसी तरह मौका दिया जाना चाहिए, जैसे कभी किसी ने हमें दिया था। अकादमी से आमंत्रित लोगों की सूची में 19 वर्षीय इल फानिंग सबसे युवा और 95 वर्षीय बेट्टी ह्वाइट सबसे उम्रदराज हैं।

भारी बारिश से मुंबई हलाकान, सड़क और रेल सेवा बाधित

मुंबई

बुधवार को मुंबई और राज्य के दूसरे इलाके में हुई भारी बारिश अब भी लगातार जारी है। बारिश के कारण रेलवे और सड़क सेवा पूरी तरह से बाधिक हो चुकी है। कुछ सड़कों पर दो किमी तक जाम लगा हुआ है। भारतीय मौसम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ये बारिश इस पूरे सप्ताह भी लगातार जारी रहने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के अनुसार, कोलाबा ऑब्जर्वेटरी में पूरे दिन में 43 मिमी की वर्षा दर्ज की है, वहीं सांताक्रूज ने 71.4 मिमी की वर्षा दर्ज की है। जो रविवार को हुए 49 मिमी वर्षा से कहीं ज्यादा है। वार्षिक औसत वर्षा कोलाबा और सांताक्रूज में क्रमश: 2,184 और 2,453 मिमी है। बुधवार को औसत से 18 प्रतिशत ज्यादा वर्षा दर्ज की गई।

मौसम विभाग के वैज्ञानिक अजय कुमार ने कहा, गुजरात की तरफ से कम दबाव वाले हवाओं के कारण गोवा और कोंकण में अच्छी बारिश के आसार है। इसी बीच मौसम विभाग मुंबई में डोप्लर राडार कुछ तकनीकी कारणों के कारण बाधित हो चुका है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि इससे मौसम की भविष्यवाणी पर कोई असर नहीं होगा।

आज आधी रात को संसद के विशेष सत्र में लागू होगा जीएसटी

15 अगस्त 1947 की यादें फिर से होंगी ताज़ा

नई दिल्ली

करीब एक दशक लंबी यात्रा के बाद आजादी के बाद का सबसे बड़ा कर सुधार जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) आज शुक्रवार आधी रात से लागू हो जाएगा, जिसके लिए संसद के केंद्रीय हॉल में मध्य रात्रि में विशेष सत्र का आयोजन किया गया है।

इस मौके पर राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, सांसद, राज्यों के वित्तमंत्री और मुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे। जीएसटी को लांच करने के लिए शुक्रवार आधी रात को एक घंटे का कार्यक्रम रखा गया है, जिसने आजादी के बाद 1947 के 'नियति से साक्षात्कार' क्षण की यादें ताजा कर दी हैं।

इस मौके पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री अपने उद्‌गार व्यक्त करेंगे और जीएसटी के बारे में दो लघु फिल्में भी दिखाई जाएंगी। साल 1947 की 14-15 अगस्त की आधी रात को देश ने अंग्रेजों से आजादी हासिल की थी और संसद के केंद्रीय हॉल में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने नियति से साक्षात्कार का प्रसिद्ध भाषण दिया था।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने 30 जून की आधी रात को होने वाले इस विशेष समारोह में भाग नहीं लेने का फैसला किया है और कहा है कि सरकार अखिल भारतीय कर सुधार को लागू करने में अनावश्यक विनाशकारी जल्दबाजी कर रही है। राजनीतिक दलों के सूत्रों का कहना है कि

ज्यादातर राजनीतिक दल इस समारोह का बहिष्कार करेंगे और इस आयोजन से दूर रहेंगे। इस मुद्दे पर बुधवार को विपक्षी दलों के बीच राष्ट्रपति उम्मीदवार मीरा कुमार के नामांकन दाखिल करने के दौरान अनौपचारिक रूप से बातचीत हुई थी।

कांग्रेस नहीं लेगी जीएसटी पर संसद बैठक में भाग

कांग्रेस ने जीएसटी लागू करने की घोषणा के लिए 30 जून की मध्य रात्रि में बुलायी गई संसद की विशेष बैठक में भाग नहीं लेने का निर्णय लिया है। पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यव्रत चतुर्वेदी ने बताया कि कांग्रेस जीएसटी लागू करने के बारे में विशेष बैठक में भाग नहीं लेगी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और अन्य नेताओं से मुलाकात के बाद यह निर्णय किया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने कहा, देश की भयावह सच्चाइयों की अनदेखी कर कांग्रेस इस तमाशे की भागीदार नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जीएसटी के विरोध में नहीं है तथा यदि कांग्रेस इससे संबंधित संविधान संशोधन को समर्थन नहीं देती तो संसद में इसके पारित होने में मुश्किल आती। शर्मा ने शुक्रवार को संसद में होने वाले समारोह का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और सरकार हमारे देश के स्वतंत्रता आंदोलन और उसमें दिए गये लोगों के बलिदानों का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि आज छोटे व्यापारियों और कारोबारियों की कोई सुन नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि इस दावे का क्या अर्थ कि 'एक देश एक कर' जबकि पेट्रोल उत्पादों, बिजली दरों एवं रियल एस्टेट को इससे अलग रखा गया है। उन्होंने दावा किया कि दुनिया भर में सबसे अधिक जीएसटी दरें अपने ही देश में लगायी जा रही हैं। कांग्रेस के एक अन्य नेता जयराम रमेश ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के विरोध के कारण जीएसटी को लागू होने में दस साल का विलंब हो गया।

■ शेष पृष्ठ 2 पर

कांग्रेस का बड़ा फैसला

जीएसटी समारोह का करेगी बहिष्कार

नई दिल्ली

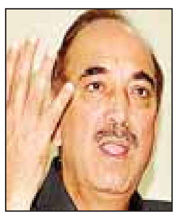

कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर प्रचार के लिए संसद के केन्द्रीय कक्ष का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह आधी रात होने वाले वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) समारोह का बहिष्कार करेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं गुलाम नबी आजाद तथा मल्लिकार्जुन खडगे ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पार्टी संसद के केन्द्रीय कक्ष में होने वाले जश्न का बहिष्कार करेगी। इस समारोह में पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को सरकार की ओर से मंच साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इन नेताओं ने कहा कि केन्द्रीय कक्ष में आधी रात को अब तक आजादी से जुड़े समारोहों का ही आयोजन किया जाता रहा है। पहली बार ऐसा आयोजन 1947 में किया गया था। उसके बाद 1972 में आजादी की रजत जयंती पर और फिर 1997 में आजादी की स्वर्ण जयंती पर आधी रात को कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आजाद ने कहा कि भाजपा ने आजादी के आंदोलन में हिस्सा नहीं लिया, इसलिए उसकी अहमियत का अंदाजा नहीं है। खडगे ने कहा कि भाजपा पब्लिसिटी मास्टर है और यह आयोजन भी वह प्रचार पाने के लिए ही कर रही है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने जनता के फायदे के लिए सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, खाद्य सुरक्षा तथा मनरेगा जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए लेकिन कभी भी आधी रात का समारोह आयोजित नहीं किया।

■ शेष पृष्ठ 2 पर

मेरी सरकार देश के गरीबों को समर्पित है - पीएम मोदी

अहमदाबाद

दो दिवसीय गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजकोट में रोड शो किया। रोड शो के बाद एक कार्यक्रम में उन्होंने हजारों दिव्यांगों को 35 करोड़ के सहायता उपकरण दिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने दिव्यागों के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। मेरी सरकार देश के गरीबों को समर्पित है। मेरी सरकार देश के गरीबों को समर्पित है।

उन्होंने कहा दिव्यांग एक परिवार की ही नहीं बल्कि पूरे देश और समाज की जिम्मेदारी है। दिव्यांग बच्चों को विशेष सुविधाएं मिलनी चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि राजकोट की मेरे दिल में खास

जगह है। उन्होंने कहा कि 40 साल बाद कोई पीएम राजकोट आया है। मेरी राजनीतिक शुरुआत राजकोट से ही हुई थी।

साबरमती आश्रम का किया दौरा

गुरुवार सुबह पीएम मोदी ने अहमदाबाद में साबरमती आश्रम पहुंचकर दौरा किया। उन्होंने साबरमती आश्रम अहमदाबाद की स्थापना के सौ साल पूरे होने पर आयोजित शताब्दी समारोह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि देश को अहिंसा के रास्ते पर चलना होगा। गौ भक्ति के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं। इंसान को कानून हाथ में लेने का हक नहीं है। गौ रक्षा के नाम पर हिंसा बंद होनी चाहिए।

देश को अहिंसा के रास्ते पर चलना ही होगा

मोदी ने कहा कि गाय की रक्षा, गौ की भक्ति महात्मा गांधी, विनोबा जी से बढ़कर कोई नहीं कर सकता है। देश को उसी रास्ते पर चलना होगा। मोदी ने कहा कि विनोबा जी जीवन भर गौ रक्षा के लिए काम करते रहे, मैं उनसे भी मिला भी था।

पीएम मोदी बोले कि देश को अहिंसा के रास्ते पर चलना ही होगा।

■ शेष पृष्ठ 2 पर

ममता के लिए आसान नहीं जीटीए के चुनाव की राह

कोलकाता

ममता सरकार के लिए गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) का चुनाव कराना फिलहाल आसान नहीं है। अलग राज्य गोरखालैंड की मांग पर गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (गोजमुमो) द्वारा दार्जिलिंग में किए जा रहे उग्र आंदोलन को दबाने की रणनीति के तहत सरकार चाहकर भी चुनाव नहीं करा पाएगी। इसकी वजह सिर्फ गोजमुमो सुप्रीमो बिमल गुरुंग की स्वायत्त संस्था का चुनाव नहीं होने देने की चुनौती ही नहीं है बल्कि संवैधानिक संकट भी है। जुलाई, 2012 में जीटीए के गठन के समय तय नियमों में चुनाव की प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लेख है। दार्जिलिंग, कर्सियांग, कलिंपोंग और सिलीगुड़ी के 18 मौजा को जीटीए में शामिल किया गया था। उन क्षेत्रों में चुनाव कराने के लिए राज्य सरकार को एक चुनाव अधिकारी की नियुक्ति करनी होगी और यह भूमिका दार्जिलिंग के जिलाधिकारी को ही अदा करनी है। जीटीए के कानून में कलिंपोंग को महकमा अथवा सब-डिवीजन के तौर पर दिखाया गया है, जबकि कुछ महीने पहले ही कलिंपोंग को सरकार ने जिला बना दिया है। यहां जीटीए का चुनाव कराने पर जिलाधिकारी की भी चुनाव अधिकारी के तौर पर नियुक्ति करनी पड़ेगी, जबकि जीटीए के कानून में इसका उल्लेख नहीं है। राज्य सरकार अगर अभी जीटीए का चुनाव कराना चाहेगी तो उसे विधानसभा में जीटीए कानून में संशोधन कर पारित कराना होगा।

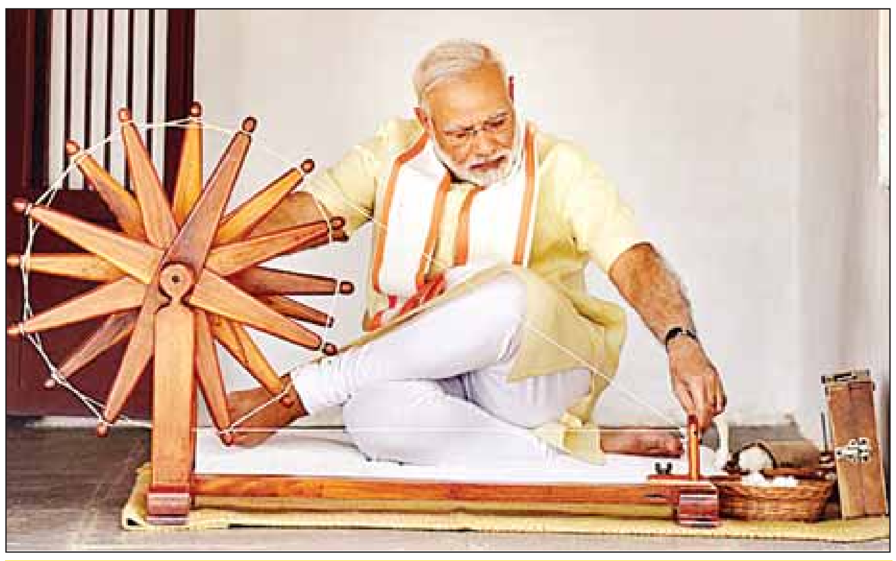

गुजरात के अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चरखा चलाते हुए।

सूखा प्रभावित कर्नाटक के लिए 795 करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कर्नाटक सूखा राहत के लिए 795.54 करोड़ रुपये का कोष मंजूर किया है। वर्ष 2016 में सूखे से जिन किसानों की रबी की फसल तबाह हुई थी उन्हें इस कोष से राहत मुहैया कराई जा सकेगी।

गृहमंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समिति (एचएलसी) की बैठक में इस संबंध में फैसला लिया गया। इस बैठक में वित्तमंत्री अरुण जेटली, कृषिमंत्री

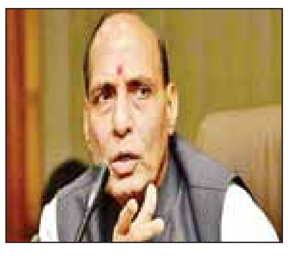

राधामोहन सिंह और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

एचएलसी ने राष्ट्रीय आपदा कोष (एनडीआरएफ) से कर्नाटक को 795.54 करोड़ रुपये की सहायता मुहैया कराने की मंजूरी दी। कर्नाटक को यह सहायता राशि 2016-17 के दौरान सूखे से रबी की फसल खराब होने के लिए दी जा रही है। कर्नाटक के कृषिमंत्री कृष्ण गौड़ा और राजस्व मंत्री कागोडू थिम्मप्पा ने कहा कि राज्य सरकार ने 3,310 करोड़ रुपये की सहायता मांगी थी। केंद्र सरकार ने इसके मुकाबले कम राशि मंजूर की है। दोनों मंत्रियों ने एचएलसी की बैठक से थोड़ी देर पहले ही गृहमंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी।

उपराष्ट्रपति चुनाव: नामांकन की आखिरी तारीख 18 जुलाई

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने 15वें उपराष्ट्रपति के निर्वाचन के लिये आज चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त नसीम जैदी ने चुनाव आयुक्त एके जोती और ओपी रावत के साथ चुनाव कार्यक्रम की जानकारी देते हुये बताया कि उपराष्ट्रपति चुनाव की अधिसूचना चार जुलाई को जारी कर दी जायेगी।

नामांकन पत्रों की जांच 19 जुलाई को

जैदी ने बताया कि आयोग द्वारा चार जुलाई को चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही इच्छुक उम्मीदवार उपराष्ट्रपति पद के लिये नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 18 जुलाई होगी, जबकि उम्मीदवारों द्वारा भरे गये नामांकन पत्रों की जांच का काम 19 जुलाई को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यदि जरूरी हुआ तो उपराष्ट्रपति पद के लिये पांच अगस्त को चुनाव होगा।

उपराष्ट्रपति चुनाव की मतगणना मतदान के दिन पांच अगस्त को ही

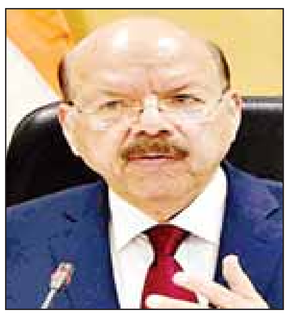

होगी।

राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति निर्वाचन अधिनियम 1952 और इस हेतु बनायी गयी नियमावली 1974 के तहत उपराष्ट्रपति पद के चुनाव हेतु संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित एवं नामित प्रतिनिधियों द्वारा गठित निर्वाचक मंडल के सदस्य मतदान कर सकते हैं।

इसके लिये निर्वाचक मंडल के सभी सदस्य पांच अगस्त को सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक होने वाले मतदान में वोट डाल सकेंगे। निर्वाचक मंडल में लोकसभा के 543 निर्वाचित एवं 2 नामांकित सांसद जबकि राज्यसभा के 233 निर्वाचित एवं 12 नामित सांसदों को मिलाकर कुल 790 सदस्य शामिल हैं।

■ शेष पृष्ठ 2 पर

जीत का फार्मूला: नाश्ता दलित के साथ, भोजन ओबीसी के घर

नई दिल्ली

सुबह का नाश्ता दलित के घर और भोजन ओबीसी के साथ। कर्नाटक में भाजपा की सत्ता में वापसी के लिए प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री उम्मीदवार बीएस येद्दयुरप्पा का यह फार्मूला अभी से चरम पर है। विधानसभा चुनाव में अभी आठ नौ महीने का वक्त भले ही बचा हुआ हो वह एक तिहाई जिलों का दौरा कर घर-घर में पैठ बनाने लगे हैं, वहीं इसका पूरा इंतजाम किया जा रहा है कि किसानों को ऋण माफी मिल भी जाए तो इसका श्रेय भाजपा के सिर बंधे।

केंद्र में अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अध्यक्ष अमित शाह ने हर पल चुनाव की तैयारी का संदेश दिया है तो येद्दयुरप्पा ने इसे पहले दिन से ही अपना लिया है। पिछले साल अप्रैल में मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित होने के बाद से उन्होंने अब तक 50 हजार किलोमीटर का दौरा कर लिया है और इसका खास ध्यान

रखा है कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवैगौड़ा और वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के चुनावी क्षेत्रों में घुसकर भाजपा की पैठ बनाएं। रणनीति वही है जो शाह ने दी है। सुबह का नाश्ता संबंधित क्षेत्र के किसी दलित गरीब परिवार के घर ही करना और भोजन किसी ओबीसी या अनुसूचित जनजाति परिवार के साथ।

बेंगलूरु से महज 70 किलोमीटर की दूरी पर कोलार संसदीय क्षेत्र है। पानी से पूरी तरह सूखा और राजनीतिक रूप से भाजपा के लिए अब तक अभेद्य रहा कांग्रेस के दलित नेता के. एच. मुनियप्पा का गढ़। येद्दयुरप्पा पहुंचते हैं तो सबसे पहले कांग्रेस के दलित प्रेम पर भी सवाल खड़ा करते हैं। कहते हैं क्या कांग्रेस काल में कभी ऐसा हुआ कि प्रधानमंत्री भी पिछड़ा वर्ग से हो और राष्ट्रपति दलित? इसका खास ध्यान रखते हैं कि पूरे दिन के दौरे में जिस किसी प्रमुख स्थान पर बाबासाहब अंबेडकर की मूर्ति हो उसका माल्यार्पण जरूर करें।

गौरतलब है कि पूरे देश में भाजपा के खिलाफ एकजुट हो रहे दलों की प्रवृत्ति को देखते हुए इससे पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता है कि कर्नाटक में जनता दल एस और कांग्रेस कोई न कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष समझौता न करे। येद्दयुरप्पा राज्य के सबसे प्रभावी लिंगायत के संभवत: अकेले स्वीकार्य नेता जरूर हैं, लेकिन उन्हें भी पता है कि भावी लड़ाई आसान नहीं है। ऐसे में उन्होंने कमर कस लिया है।

उन्होंने भरोसा जताया कि पिछले चालीस पैंतालीस दिनों के जनसंपर्क अभियान में उन्होंने हर वर्ग का विश्वास जीता है। कृषि ऋण माफी की घोषणा सिद्धरमैया ने जरूर की है, लेकिन लोग जानते हैं कि वह भाजपा के दबाव में किया गया है। कर्नाटक में लगभग 17-18 फीसद दलित हैं और करीब 20 फीसद ओबीसी। यही कारण है कि रोजाना दौरे के कार्यक्रम में दलित और ओबीसी परिवार प्रमुखता में हैं।

अब तक उन्होंने 75 विधानसभा क्षेत्र का दौरा पूरा कर लिया है। जुलाई मे दूसरा चरण शुरू होगा और यह माना जा रहा है कि अगस्त में जब खुद शाह कर्नाटक के दौरे पर होंगे तब तक येद्दयुरप्पा 224 विधानसभा वाले कर्नाटक के आधे क्षेत्रों मे जनसंपर्क भी कर चुके होंगे और इन क्षेत्रों में वैसे उम्मीदवारों की पहचान भी जो भाजपा को फिर से सत्ता में वापस ला सकते हैं।